नेहरू गांधी परिवार बेनकाब

पिछली सात पुश्तों से तथाकथित नेहरू -गांधी खानदान भारतियो के साथ धोखा करके सत्ता पर कब्ज़ा किए बैठा है। आज देश में जितनी समस्याए हैं इनकी देन हैं, चाहे कश्मीर समस्या हो आतंकवाद की, देश के बटवारे के जिम्मेदार यही खानदान है| जातिवाद साम्प्रदायवाद, भाषावाद इन्हीं की पैदायश है| आज चीन हमारी जमीन पर इन्हीं की बदौलत बैठा है। कश्मीर, मीजोरम, नागालैंड और उत्तर पूर्व के प्रांत टूट के कगार पर हैं। लेकिन सत्ता बचाने के लिए यह परिवार कुछ भी कर सकता है|

जो भी इनके रास्ते में आया इन्होने उसका सफाया कर दिया या अपने रास्ते से हटा दिया| सुभाष चंद्र बोस, माधव राव सिंधिया, राजेश पायलट और लाल बहादुर शास्त्री इसके उदाहरण हैं, सिखों के खून से इनका पंजा रंगा हुआ है। इस खानदान को देश से कोई लगाव नहीं है| यह परिवार देश की हिंदू छवि नष्ट करने पर तुला है। लेकिन इनके चाटुकार कांग्रेसी लगातार यह सिद्ध करने में लगे रहते हैं की देश को आज़ादी सिर्फ़ इसी खानदान की बदौलत मिली है, इसलिए सिर्फ़ इसी परिवार को देश पर हुकूमत करने का दैवी अधिकार प्राप्त है| इनसे अधिक उपयुक्त व्यक्ति कोई हो ही नहीं सकता। इसलिए भविष्य में भी इनकी औलाद ही राज करेगी ।

लेकिन इस खानदान की असलियत बहुत कम लोगों को पता है, लोग इन्हें ***कश्मीरी ब्राह्मण***, हिंदू, पंडित, महात्मा गांधी का सम्बन्धी मानते हैं, लेनिन यह सब झूठ है। ***आर एह एंड्रयू*** ने अपनी किताब ***ऐ लैंप फॉर इंडिया*** में इनके पूरी जानकारी दी है जिसके मुताबिक इस खानदान का प्रारंभ एक मुसलमान से होता है, जिसका पूरा रिकॉर्ड मौजूद है| उस व्यक्ति का नाम गयासुद्दीन गाजी था, जो एक मुग़ल था।

१- **गयासुद्दीन गाजी**: इसके पुरखे तैमुर लांग के साथ यहाँ आए थे और यही रह गए थे, इन्हें गाजी की उपाधि दी गई थी जिसका मतलब है काफिरों को मारने वाला। बहादुर शाह ज़फर के राज्य में गयासुद्दीन दिल्ली का कोतवाल था| सन १८५७ में अंग्रेजों ने बहादुर शाह को कैद करके रंगून भेज दिया और उन सभी लोगों को गोली मारने का हुक्म दे दिया जो बादशाह के वफादार थे। इसके लिए सिख और गोरखा फौज को लगाया गया था, उन्हीं में से कुछ लोग जान बचा कर इलाहाबाद और आगरा चले गए। गंगाधर इलाहाबाद आ गया और अपना नाम बदल कर ***गंगाधर*** रख लिया। वैसे धर कश्मीरिओं का सरनेम होता

है इसलिए वह खुद को कश्मीरी बताने लगा| चूंकि ईरानिओं और कश्मिरिओं का रंग रूप एक सा होता है इसलिए किसी को शक नही हुआ। बाद एक नेहर के पास रहने के कारण उसने अपने नाम के आगे नेहरू शब्द और जोड़ लिया। इलाहाबाद में रहते हुए गयासुद्दीन ***७७-मीरगंज*** में कोठे की दलाली करने लगा, साथ ही एक वकील मुख्त्यार के सहायक के रूप में भी काम करने लगा| लेकिन उसमे कोई ख़ास कमी नहीं हो रही थी, उसने शादी भी की थी जिस से मोतीलाल पैदा हुआ ।

२- **मोतीलाल:** इसका बचपन कोठे में गुजरा और वहीं दलाली से कमाई करता रहा| इसी दौरान उसकी दोस्ती ***मुबारक अली*** नाम के वकील से हुई, जो जो काफ़ी पैसे वाला और शौकीन तबियत का था। इसके लिए मोतीलाल एक गरीब लड़की शादी कर क्र लाया जिसका नाम ***थुस्सू*** था| जिसका नाम उसने ***स्वरूपरानी*** रख दिया और उसे मुबारक अली के हवाले कर दिया| मुबारक अली ने उसे अपने मकान ***इरशाद मंजिल*** में रख लिया, लेकिन जब वह गर्भवती हो गई तो उसने मुबारक अली उसे घर से यह कह कर निकाल दिया की अगर यह हरामी बच्चा मेरे घर में पैदा होगा तो मेरी विरासत में हक़ मागेगा मजबूरन मोतीलाल उसे कोठे पर ले गया। जहाँ जवाहर लाल का जन्म हुआ था।

मोतीलाल की एक रखेल भी थी, जिससे ***शैख़ अब्दुल्ला***, ***सय्यद हुसैन*** और ***रफी अहमद किदवई*** पैदा हुए| इस तरह जवाहर लाल और शेख अब्दुल्ला सौतेले भाई थे और यही कारण है की आज तक कश्मीर समस्या का समाधान नहीं हो सका है ।

मोतीलाल और थुस्सू से दो लड़कियां हुई, ***विजय लक्ष्मी*** और ***कृष्णा*** । विजयलक्ष्मी के सम्बन्ध ***सय्यद हुसैन*** थे जिस से एक लड़की ***चंद्रलेखा*** हुई थी, बाद में विजयलक्ष्मी की शादी ***आर एस पंडित*** से हुई, जिस से दो लड़कियां ***नयनतारा*** और ***रीता*** हुईं ।

३- **जवाहर लाल नेहरू:** यह मुबारक अली और स्वरूपरानी की नाजायज औलाद था। इसका बचपन भी कोठे में गुजरा। जब अवध के नवाब को यह पता चला की एक मुसलमान का लड़का कोठे में रह रहा है, तो वह उसे अपने साथ ले आए| १० साल की आयु तक जवाहर वहीं रहा और वहीं उसकी खतना भी की गई थी| उसे उर्दू और फ़ारसी पढ़ाई गई। यही कारण है की इस खानदान के

लोगों को हिन्दी या संस्कृत का बिल्कुल भी ज्ञान नही है| ख़ुद को कश्मीरी बताने वाले यह लोग कश्मीरी भाषा में एक वाक्य भी नही बोल सकते है ।

लन्दन के ट्रिनिटी कॉलेज पढने के बाद जवाहर लाल ***मुंबई के मालाबार हिल*** में रह कर असफल वकालत करने लगा। उसी दौरान वह एक कैथोलिक नंन के संपर्क में आया जो बाद में गर्भवती हो गई थी, जिसके चलते ईसाइयों ने उसे ब्लैक मेल कर के कई काम कराये ।

जवाहर लाल की शादी ***कमला कॉल*** से हुई थी, लेकिन उसके कई औरतों से नाजायज सम्बन्ध थे। एक महिला ***श्रधा-माता*** थी उससे जो लड़का हुआ था उसे बंगलौर के अनाथालय में भेज दिया गया था। जवाहर लाल के ***तेजी बच्चन*** से भी सम्बन्ध थे, उसका पति एक समलैंगिक था। ***लेडी माउन्ट बेटीं*** के बारे ने सब जानते है। जवाहर लाल अपनी अय्याशी की वजह से ***सिफलिस*** से मरा था।

उधर कमला ने ***मुबारक अली*** के लड़के ***मंजूर अली*** से सम्बन्ध बना लिए थे जिस से इंदिरा प्रियदर्शिनी पैदा हुई। मंजूर अली आनंद भवन में शराब भेजता था, इस मकान का नाम पाहिले इरशाद मंजिल था । मोतीलाल ने इसे मुबारक अली से खरीद कर इसका नाम ***आनद भवन*** रख दिया था। यहीं इंदिरा का जन्म हुआ था।

४- **इंदिरा गांधी**: लोग इंदिरा गांधी को नेहरू और कमला की संतान मानते हैं, लेकिन कमला के नाजायज़ सम्बन्ध मंजूर अली थे जो मुबारक अली का बेटा था| इंदिरा उसी की औलाद थी, इंदिरा जिंदगी भर एक मुसलमान की तरह रही। उअका बचपन का नाम प्रिय दर्शिनी था| एक बार उसने नेहरू के सचिव ***एम् ओ मथाई*** से कहा था की में कभी किसी हिन्दू दे शादी नहीं करूंगी, मुझे उन से नफ़रत है| यही कारण था की जब वह प्रधान मंत्री थी तो उसके चारों तरफ़ मुसलामानों का जमावडा रहता था । जब वह ***शान्ति निकेतन*** में पढ़ती थी तो उसके सम्बन्ध एक जर्मन से थे। बदनामी के डर से उसकी शादी ***फिरोज़*** से कर दी गयी। वह मुसलमान था, उसका बाप नवाब खान था, जिसकी पत्नी पारसी थी जो मुसलमान बन गई थी| गांधी के कहने पर फिरोज़ खान ने अपना नाम फिरोज़ गांधी कर लिया और इसके उसने लन्दन में एक हलफनामा भी पेश किया था। पाहिले इंदिरा और फिरोज़ का निकाह लन्दन में इस्लामी ढंग से हुआ था, जिसकी खबर वहां के अखबारों को दी गई थी। बाद में भारत

आने पर हिन्दू रीति से दिखावे की शादी की गयी ताकि लोगों धोके में रखा जा सके।

फिरोज़ ने इंदिरा का निकाहनामे में नाम ***मैमूना बेगम*** लिखवाया था। वह काफी लालची आदमी था और नेहरू से बार बार पैसों की मांग करता था| तंग आकर एक दिन नेहरू ने उसे घर से निकाल दिया और उसे इंदिरा से मिलने की मनाही कर दी थी। इंदिरा भी उस से ऊब चुकी थी । फिरोज भी अलग रहने लगा और १९४४ से लेकर अपनी मौत १९६० तक अलग ही रहा। यद्यपि उनका कानूनी तौर से तलाक नहीं हुआ था लेकिन फिरोज ने इंदिरा को छोड़ दिया था।

५ **राजीव गांधी:** इसका जन्म १९४४ में हुआ, यह मैमूना और फिरोज की संतान था। इसकी इस्लामी रीति से खतना की गई थी| उसे मुहम्मद युनुस ने इस्लामी तौर तरीके सिखाये थे, बाद में उसे पढने के लिए कैम्ब्रिज-लन्दन भेजा गया। लेकिन वह पढने की जगह, अपना समय गन्दी किताबी पढने और आवारा लड़कियों के पीछे लगाता था। तीन सालों में उसने एक भी परीक्षा पास नहीं कि इसीलिए उसे होस्टल खाली करने को कहा गया, बाद में बाक़ी समय उसने भारतीय राजदूत के घर में गुज़ारा| वहीं पर उसकी दोस्ती ***माधव राव सिंधिया*** से हुई थी। बाद में दोनों काफी घनिष्ट मित्र हो गए थे।

एक बार दोनों ने मौज मज़े के लिए, रात भर के लिए एक इटैलियन लड़की को बुलाया| उस रात के बाद राजीव उस लड़की को अक्सर बुलाने लगा। लड़की को प्रभावित करने के लिए उसने ख़ुद को एक बिना लाइसेंस का पायलट यानि ट्रेनी बताया| लेकिन उस लड़की इरादे कुछ और ही थे। आगे चल कर अपनी योजना के अनुसार उस लड़की ने राजीव से शादी कि, जसे हम **सोनिया** के नाम से जानते हैं|

६- **सोनिया:** इसका असली नाम ***अनातोनिया*** है और पारिवारिक नाम ***माईनो*** है| इसके पिता का नाम ***स्तेफेनो माईनो*** है, सोनिया का जन्म ***उत्तरी इटली में तुरीन*** के पास ***ओब्रस्सानो*** में हुआ था| उसकी बहिन का नाम ***अलेस्सांद्रा*** है। इसका जन्म निम्न वर्ग के ग्रामीण परिवार में हुआ| गरीब होने के कारण सोनिया ने एक ईसाई मिसनरी में कुछ पढाई की थी। दूसरी गरीब इटालियन लड़किओं कि तरह उसकी भी जल्दी रुपया कमाने कि इच्छा थी। किसी ने उसे सलाह दी वह कैम्ब्रिज या ऑक्सफोर्ड चली जाए, जहाँ दुनिया भर के धनी लड़के

पढने और खूबसूरत लड़किओं के लिए आते हैं| सोनिया भी एक पार्ट टाईम मैड काम चाहती थी, उसने घर में बताया कि वह अंग्रेजी सीखने जा रही है जो उसकी नौकरी में फायदेमंद होगा ।

वहीं कैम्ब्रिज में एक रात राजीव ने सोनिया को ***ग्रीक-पिज्जा पैलेस*** नाम की जगह पर बुलाया था। और बाद में सोनिया के कहने पर राजीव ने ***कैथोलिक ईसाई धर्म*** स्वीकार करके उस से शादी कि और अपना नाम ***रोबेर्तो*** कर लिया| इनकी दो संतानें हुयीं, ***बियेन्का*** और ***रा-उल*** जिन्हें लोग ***राहुल*** और ***प्रियंका*** कहते हैं ।

शादी के बाद भी सोनिया के सम्बन्ध ***माधव राव सिंधिया*** से काफी समय तक रहे। लेकिन एक समय जब यह दोनों शराब पीकर घर लौट आरहे थे तो उनका अक्सीडेंट हो गया उस समय रात का एक बजा था| सोनिया माधव राव को घायल अवस्था में छोड़ कर ऑटो में बैठ कर भाग गयी थी, माधव राव को नजदीकी हॉस्टल के कुछ बच्चों ने अस्पताल पहुंचाया था| यह बात मादव राव को बहुत बुरी लगी थी और उसने सोनिया को काफी खरी खोटी सुनायी थी। फ़िर कुछ समय के बाद माधव राव एक हवाई दुर्घटना में मारे गए|

७- संजय गांधी: चूंकि फिरोज गांधी १८४४ से ही इंदिरा से अलग रहने लगा था और उस दरमियान उसके सम्बन्ध ***तारकेश्वरी सिन्हा***, ***महमूना सुल्ताना*** और ***सुभद्रा जोशी*** से हो गए थे और इंदिरा गांधी ने ***मुहम्मद यूनुस*** से सम्बन्ध बना लिए थे। इसी नाजायज़ सम्बन्ध से १९४६ में संजय पैदा हुआ| कुछ सालों के बाद इंदिरा फ़िर से गर्भवती हो गई और वह गर्भपात कराने बैंगलोर गयी थी लेकिन उसने लोगों यह बताया की वह संजय का इलाज करने जा रही है, जिसके कानों में सुनने की तकलीफ है लेकिन सच यह है की उसे अपना गर्भपात और संजय का खतना कराना था| कहा जाता है की यह गर्भ धीरेन्द्र ब्रह्मचारी से थे।

बड़े होने पर संजय को अपने भाई राजीव की तरह कैम्ब्रिज में पढने के लिए भेजा गया, वहां उसने एक कार की चोरी की थी, गिरफ्तारी से बचने के लिए उसे ***कृष्ण मेनन*** ने दूसरा पासपोर्ट जारी कर दिया जिस पर उसका नाम संजय था, जबकी पहिले उसका नाम ***संजीव*** था| इस चालाकी से उसे गिरफ्तारी से बचाया गया ।

इंग्लैंड से वापिस आने पर उसे धीरेन्द्र और इंदिरा के संबंधों का पता चला| जब वह लन्दन में था तो, अखबारों में इंदिरा और धीरेन्द्र के आपत्तिजनक फोटो छपे थे। इसलिए संजय, इंदिरा को ब्लैकमेल करता था और उस पर हाथ भी उठा देता था। और शारीरिक रूप से भी प्रताडित करता था| तंग आकर इंदिरा ने केजीबी की मदद से संजय की हत्या षड़यंत्र रचा| क्योंकि इंदिरा ने इसके लिए केजीबी से यह कहा था की संजय अमरीका समर्थक है। और इसीलिए केजीबी इस हत्या के लिए खुशी-खुशी तय्यार हो गयी और इस हत्या को एक दुर्घटना का रूप दे दिया गया ।

८- **प्रियंका**: इसका जन्म १९७२ ने हुआ, क्योंकि राजीव ईसाई बन चुका था इसलिए सोनिया ने अपनी बड़ी लड़की का नाम ***बियेन्का*** रखा और यही नाम उसके स्कूल में लिखा है। लोगों को धोका देने के लिए उसने अपना नाम ***प्रियंका*** लिया है। इसकी शादी मुरादाबाद निवासी, ***राजेंद्र वडेरा*** के लड़के ***रॉबर्ट वडेरा*** से हुई, व्यवसायिक विवाद के कारण प्रियंका की रॉबर्ट के भाई ***रिचार्ड*** से अनबन रहती थी और प्रायः झगडे होते थे। और आख़िर एक दिन वह सितम्बर २००३ में दिल्ली की वसंत विहार कालोनी में संदेहास्पद स्थिति में मरा हुआ पाया गया था। मौत के कारणों की आज तक कोई जांच नहीं की गयी।

प्रियंका के दोनों बच्चे, रेहन और मिराया विदेश में पढ़ रहे हैं|

यह सब जानकर आप ख़ुद समझ सकते हैं की यह मुस्लिम-ईसाई वर्ण संकर परिवार कई पुश्तों से हिन्दुओं को कैसे मूर्ख बनाकर, सत्ता पर कैसे कब्जा किए हुए है ।

अब समय आ गया है की इनको सत्ता से दूर रख कर, महत्त्व पूर्ण पदों से वंचित कर दिया जाए .इसी से देश का भला होगा।

जय भारत

बी एन शर्मा